Bal Bharati
PUBLIC SCHOOL
Sector – 21, Noida
Phone : 0120-2534064, 2538533 / E-mail : bbpsnd@yahoo.co.
Website : http://bbpsnoida.balbharati.org

मातृ भाषा दिवस(2019-20)

प्रतिवेदन

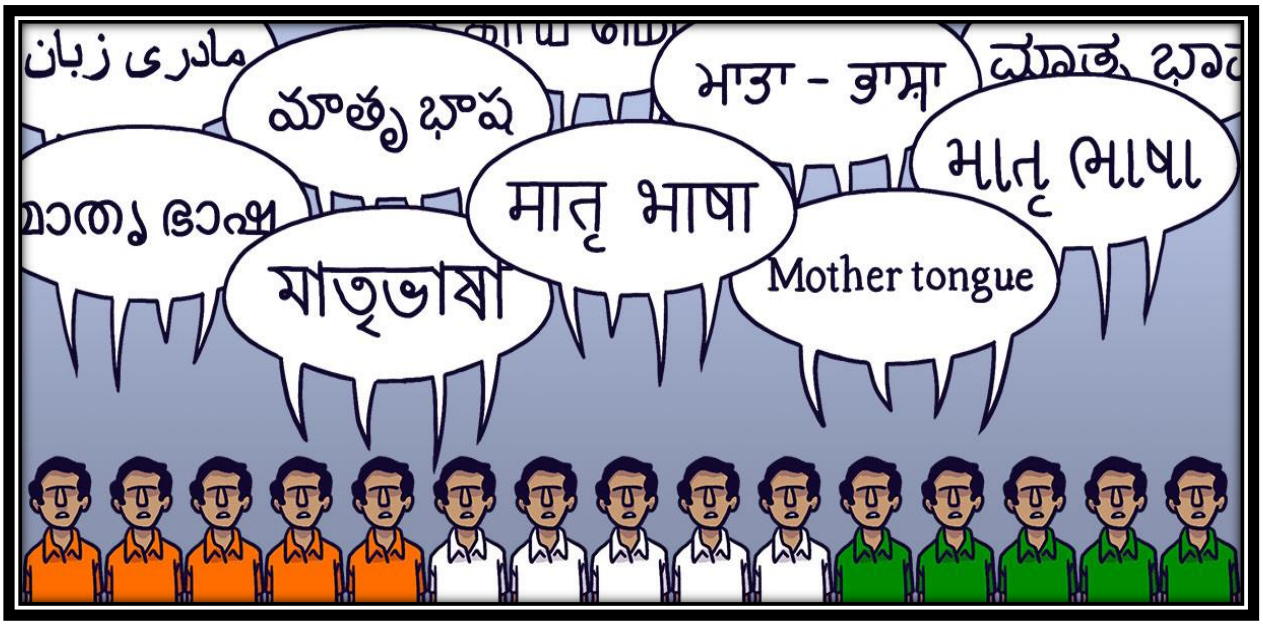

हिन्द देश के निवासी सभी जन एक हैं,

रंग-रूप मातृभाषा चाहे अनेक हैं

मातृभाषा दिवस' 21 फरवरी को मनाया जाता है। 17 नवंबर, 1999 को यूनेस्को ने इसे स्वीकृति दी।

इस दिवस को मनाने का उद्देश्य है कि विश्व में भाषाई एवँ सांस्कृतिक विविधता और बहुभाषिता को बढ़ावा मिले।यूनेस्को द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस की घोषणा से बांग्लादेश के भाषा आन्दोलन दिवस को अन्तर्राष्ट्रीय स्वीकृति मिली, जो बांग्लादेश में सन 1952 से मनाया जाता रहा है। बांग्लादेश में इस दिन एक राष्ट्रीय अवकाश होता है।

2008 को अन्तर्राष्ट्रीय भाषा वर्ष घोषित करते हुए, संयुक्त राष्ट्र आम सभा ने अन्तर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के महत्व को फिर दोहराया है।

मातृभाषा से तात्पर्य उस भाषा से कतई नहीं है , जिसे जन्मदायिनी मां बोलती रही है। अकेली मां बच्चे के परिवेश के लिए उत्तरदायी नहीं है और न ही जन्म के लिए। एक बच्चा मां की कोख से जन्म जरूर लेता है, मगर मातृकुल के भाषायी परिवेश में नहीं, बल्कि मां ने जिस समूह में उसे जन्म दिया है. उसी परिवेश की भाषा से उसका रिश्ता होता है। जिस

परिवेश में वह गढ़ा जा रहा है, जिस भाषा के माध्यम से वह अन्य भाषाएं सीख रहा है, जहां विकसित-पल्लवित हो रहा है, वही महत्वपूर्ण है। यही उसका मातृ- भाषा परिवेश कहलाएगा।
इसी संदर्भ में विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती आशा प्रभाकर के मार्ग दर्शन में मातृभाषा की महत्ता से विद्यार्थियों को अवगत कराने हेतु मातृभाषा दिवस मनाया गया | इस कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों से विभिन्न प्रकार की गतिविधियां कराईं गईं जैसे- लोकगीत गायन, पोस्टर निर्माण, संविधान की प्रस्तावना का विभिन्न भाषाओं में वाचन , कवितावाचन , दोहावली , भारत के मानचित्र पर विभिन्न राज्य तथा उनमें बोली जाने भाषाओं का अंकन , नाट्यमंचन, पत्र लेखन आदि |
प्राथमिक कक्षा के विद्यार्थियों ने लोकगीत गायन के अंतर्गत बंगाली, असमी, गढ़वाली,हिंदी,तेलुगु आदि भाषाओं में मनमोहक गीत प्रस्तुत किए | इस रसवर्षा से सब लोग भावविभोर हो गए | वहीं कविता वाचन में स्वरों के उतार- चढ़ाव व हाव-भाव के साथ नन्हें-मुन्नों की प्रस्तुति ने सबका मन मोह लिया | इसी प्रकार नाट्यमंचन , दोहावली , पत्र लेखन आदि गतिविधियों में सभी विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया |
कबीर की वाणी में दिए गए दोहों का अध्यापिका की मदद से सस्वर वाचन किया। अध्यापिका द्वारा सभी दोहों का अर्थ विस्तारपूर्वक समझाया गया।
पाठ्यक्रम में दिए गए पाठ शिष्टाचार व कबीर के दोहे का समन्वय करते हुए नाट्य मंचन किया गया | विद्यार्थियों ने पटकथा के अनुरूप कबीर के दोहों द्वारा नैतिक मूल्यों और शिष्टाचार से संबंधित महत्वपूर्ण बातें बताईं |
छात्रों को छोटे-छोटे समूह में बांटा गया और उनकी योग्यता अनुसार उनको उचित पात्र दिए गए।छात्रों को सहायक सामग्री निर्माण तथा मंच सज्जा अलग अलग फ्लैश कार्ड्स और और संबंधित सहायक सामग्री का निर्माण किया।

रंगमंच के लिए उत्साहित छात्र

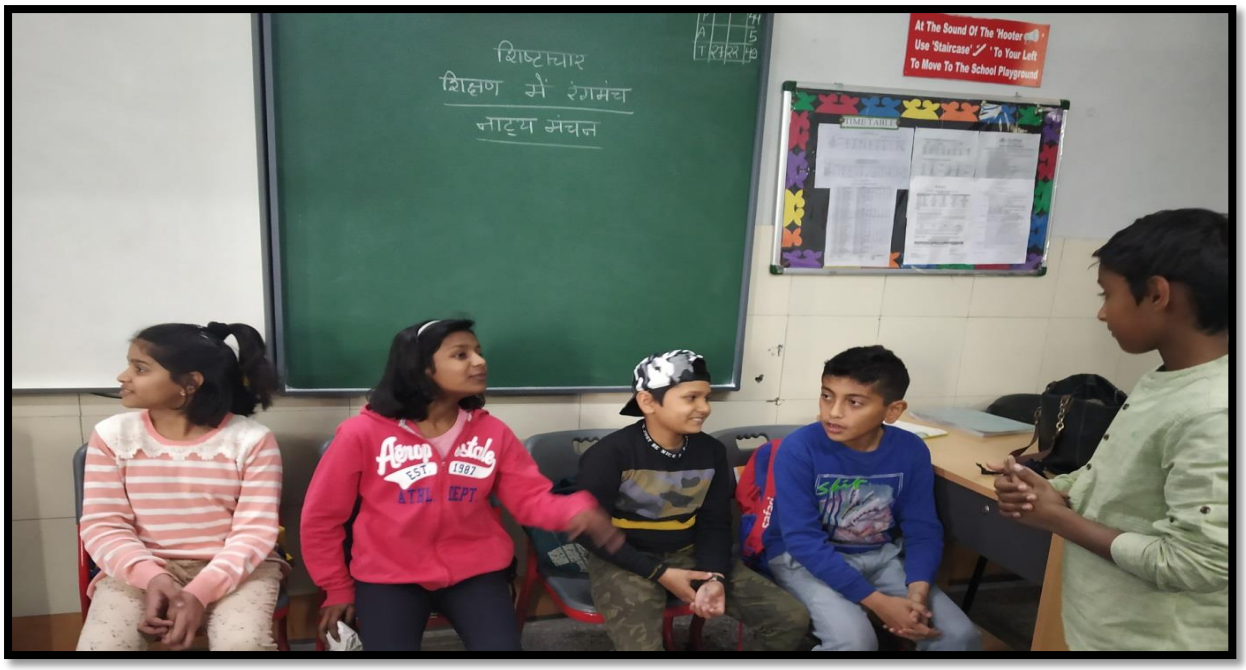

अभिनय करते छात्र

लुप्त होती पत्र लेखन विधा को पुनर्जीवित कर उसकी उपयोगिता से सब को अवगत कराने हेतु एक पत्र लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती आशा प्रभाकर का कहना है , "विद्यार्थियों को साहित्य की सभी विधाओं का ज्ञान होना चाहिए जैसे - कविता, कहानी, डायरी लेखन, पत्र लेखन , संस्मरण आदि। प्रतियोगिता के रूप में सब लोग पत्र लेखन के प्रति आकर्षित होंगे । " मुख्याध्यापिका श्रीमती विनया पुजारी के निर्देशन में इस प्रतियोगिता को मूर्त रूप दिया जिसमें कक्षा पांचवीं के लगभग 190 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। सभी विद्यार्थियों को चार समूहों में विभाजित किया गया तथा प्रत्येक समूह को आज की समस्याओं से सम्बन्धित चार विषय पत्र - लेखन के लिए दिए गए । जैसे - आत्म - रक्षा हेतु जूडो - कराटे को पहली कक्षा से ही पाठ् य क्रम में लागू करने के लिए, बर्तन - बैंक बनाने के लिए, कपड़े के थैले के प्रयोग की अनिवार्यता , शौचालय - व्यवस्था आदि।

पत्र लेखन गतिविधि

मानचित्र अंकन में विद्यार्थियों ने भारत के मानचित्र में विभिन्न राज्यों में बोली जाने वाली विभिन्न भाषाओं का सुंदर चित्रण किया | इस गतिविधि से विद्यार्थियों को एक ओर जहां विभिन्न भाषाओं के क्षेत्रों का ज्ञान हुआ वहीं दूसरी ओर उन्हें भाषाई अनुपात का भी ज्ञान हुआ |

मातृभाषा दिवस की विभिन्न गतिविधियों में संलग्न विद्यार्थीगण

कविता वाचन करते नन्हे कवि

पोस्टर निर्माण द्वारा मातृभाषा का महत्त्व

मानचित्र पर विभिन्न भाषाओं का अंकन करते हुए

नन्हें कलाकार

भारतीय संविधान की उद्देश्यिका का विभिन्न भाषाओं में वाचन करते हुए

भवदीय

हिंदी विभाग